डॉ. अर्जुन गणपति चव्हाण
एम्.ए., बी.एड्., पीएच्.डी.
प्रपाठक एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर .

संस्तुति

मैं संस्तुति करता हूँ कि सु. श्री. **उषा जनार्दन स्वामी** द्वारा लिखित **''विष्णुदत्त राकेश के 'नभग' खंडकाव्य में आधुनिकता बोध''** यह शोध-प्रबंध परीक्षणार्थ अग्रेषित किया जाए।

29.01.08

(*डॉ. अर्जुन गणपति चव्हाण*)
Head
Dept. of Hindi,
Shivaji University
Kolhapur-416004

स्थान : कोल्हापुर।
तिथि : 29 JAN 2008

डॉ. सुलोचना अंतरेड्डी
एम्.ए., बी.एड्., पीएच्. डी.
अध्यक्ष, हिंदी विभाग,
डी. आर. माने कॉलेज, कागल।

प्रमाणपत्र

मैं प्रमाणित करती हूँ कि **सु. श्री. उषा जनार्दन स्वामी** ने मेरे निर्देशन में **''विष्णुदत्त राकेश के 'नभग' खंडकाव्य में आधुनिकता बोध''** लघु शोध-प्रबंध शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम्. फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए लिखा है। यह कार्य पूर्व योजनानुसार संपन्न हुआ है और इसमें शोध-छात्रा ने मेरे सुझावों का पूर्णतः पालन किया है। जो तथ्य लघु शोध-प्रबंध में प्रस्तुत किए हैं, मेरी जानकारी के अनुसार सही हैं। यह रचना अन्य किसी विश्वविद्यालय में किसी भी उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है। शोध-छात्रा के कार्य से मैं पूर्णतः संतुष्ट हूँ।

शोध-निर्देशिका

स्थान :

तिथि 29 JAN 2008

डॉ. सुलोचना अंतरेड्डी
DR.SULOCHANA N.ANTREDD
M.A.,ph.D
Head,Department of Hindi.
D.R.Mane Mahavidyalaya Kagal.
Kolhapur-416 216

प्रख्यापन

''विष्णुदत्त राकेश के 'नभग' खंडकाव्य में आधुनिकता बोध''

यह लघु शोध-प्रबंध मेरी मौलिक रचना है, जो एम्. फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए प्रस्तुत की जा रही है। यह रचना इससे पहले शिवाजी विश्वविद्यालय या अन्य किसी विश्वविद्यालय की उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है।

शोध-छात्रा

Swami

(सु. श्री. उषा जनार्दन स्वामी)

स्थान : कोल्हापुर

तिथि : 29 JAN 2008